

२०६

पारवनी कर्मण्य कांड में प्रेता ~~हैं~~। दोनों पक्षों को
 तत्. प्रो. प्रो. वरुण रथार्थ निवेद्यता से प्रवृत्त किया।
 जाया है कि विवाहोत्सव शांति में भीतना व. राजेश
 शिवार्थ का प्रयास किया वगैरह रसे। (पारवनी कर्मण्य)
 सुभाष होकर जगन्नाथ से काया से तथा वरुण (पारवनी)
 प्रजापति वरुण है।

Om